जिस्मानी रिश्तों की चाह-54

“सुबह उठ कर नीचे जाने लगा तो सीढ़ियों में आपी मिली, उन्होंने अपनी छाती प्लास्टिक के टब से छिपाई हुई थी। देखा तो उनकी कमीज भीगी थी और चूचियाँ पूरी नुमाया थी। …”

Story By: zooza ji (zoozaji)
Posted: रविवार, अगस्त 7th, 2016
Categories: भाई बहन
Online version: जिस्मानी रिश्तों की चाह-54

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जिस्मानी रिश्तों की चाह-54

सम्पादक जूजा

मैं अपने शुरू होने वाले नए कारोबार के बारे में प्लान करता हुआ जाने कब नींद की वादियों में खो गया।

सुबह मेरी आँख खुली तो दस बज रहे थे, मैंने मुँह हाथ धोया और नाश्ते के लिए नीचे जाने लगा।

मैंने अभी पहली सीढ़ी पर क़दम रखा ही था कि मुझे ऊपर वाली सीढ़ियों पर एक साया सा नज़र आया और महसूस हुआ कि जैसे ऊपर कोई है।

मैं चंद सेकेंड रुका और फिर नीचे जाने के बजाए आहिस्ता-आहिस्ता दबे क़दमों से ऊपर जाने वाली सीढ़ियों पर चढ़ने लगा।
जब मैं सीढ़ियों के दरमियानी प्लेटफॉर्म.. जहाँ से सीढ़ियाँ वापस घूम कर ऊपर को चढ़ती हैं.. पर पहुँचा तो..

आपी वहाँ साइड में होकर दीवार से लगी खड़ी थीं, आपी ने एक प्रिंटेड लॉन का ढीला-ढाला सा सूट पहन रखा था और दुपट्टे.. चादर.. स्कार्फ वगैरह से बेनियाज़ थीं।
आपी ने अपने दोनों हाथ से प्लास्टिक का लाल रंग का टब पकड़ रखा था.. जिसको उल्टा करके अपने सीने पर रखते हुए आपी ने अपने दोनों सीने के उभारों को छुपा लिया था।

उनके बाल मोटी सी चुटिया में बँधे हुए थे और चंद आवारा सी लटें पानी से गीली हुईं उनके खूबसूरत गुलाबी रुखसारों से चिपकी हुई थीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

क़मीज़ की कलाइयाँ कोहनियों तक चढ़ी हुई थीं और सलवार के पायंचे आधे पाँव के ऊपर और आधे पाँव के नीचे थे और खूबसूरत गुलाबी पाँव चप्पलों की क़ैद से आज़ाद थे।

मैंने सिर से लेकर पाँव तक आपी के जिस्म को देखा और हैरतजदा सी आवाज़ में पूछा- आपीयईई.. मुझसे छुप रही हो ?
आपी ने सहमी हुई सी नजरों से मुझे देखते हुए कहा- वो तुम.. तुम जाओ नीचे.. म्म… मैं आ कर तुम्हें नाश्ता देती हूँ।

मैं समझ नहीं पा रहा था कि आपी ऐसे क्यों बिहेव कर रही हैं। मैं एक क़दम उनकी तरफ बढ़ा.. तो वो एकदम से साइड को हुईं और अपने एक हाथ से टब को अपने सीने पर पकड़े.. दूसरे हाथ से मुझे रोकते हुए बोलीं- तुम जाऊऊओ ना सगीर.. मैं आती हूँ ना नीचे..

मैंने शदीद हैरत के असर में कहा- आपी क्या बात है.. इतना घबरा क्यों रही हो.. ऊपर से कहाँ से आ रही हो ?
आपी बोलीं- वो मैं ऊपर धुले हुए कपड़े लटकाने गई थी.. तुम जाओ नीचे.. मैं बाद में आऊँगी.. अम्मी टीवी लाऊँज में ही बैठी हैं।

‘इतनी परेशान क्यों हो.. मैं आपके इतने क़रीब कोई पहली बार तो नहीं आ रहा ना..’

मैं यह कह कर आगे बढ़ा और आपी के हाथ से खाली टब खींच लिया।
आपी के सीने से टब हटा तो एक हसीन-तरीन नज़ारा मेरी आँखों के सामने था।

आपी ने क़मीज़ के अन्दर ब्रा या शमीज़ नाम की कोई चीज़ नहीं पहनी हुई थी। उनकी क़मीज़ गीली होने की वजह से दोनों खड़े उभारों के दरमियान गैप में सिमट कर उनके सीने के उभारों से चिपकी हुई थी। जिसकी वजह से आपी के निपल्स और निप्पलों के गिर्द का खूबसूरत दायरा क़मीज़ से बिल्कुल वज़या नज़र आ रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने टब नीचे रखा और एक हाथ से आपी का लेफ्ट उभार थामते हुए अपना मुँह उनके उभारों के बीच और अपना दूसरा हाथ उनकी टाँगों के दरमियान ले जाते हुए हँस कर कहा- ये छुपा रही थीं मुझसे ? मैं ये कोई पहली बार थोड़ी ना देख रहा हूँ।

अपनी बात कह कर मैंने क़मीज़ के ऊपर से ही आपी के निप्पल को मुँह में ले लिया और उसी वक़्त मेरा हाथ भी आपी की टाँगों के दरमियान पहुँच गया।

मेरा हाथ आपी की टाँगों के दरमियान टच हुआ तो मैं एकदम ठिठक गया और आपी का निप्पल मुँह में ही लिए अपने हाथ से आपी की टाँगों के दरमियान वाली जगह को टटोलने लगा।

मेरे ज़हन में तो यह ही था कि मेरा हाथ आपी की चूत की चिकनी नरम जिल्द पर टच होगा.. उनकी चूत के उभरे-उभरे से नरम लब मेरे हाथ में आएंगे.. लेकिन हुआ ये कि मेरा हाथ एक फोम के टुकड़े पर टच हुआ.. और चंद सेकेंड में ही मेरी समझ में आ गया कि आपी ने अपनी चूत पर पैड लगा रखा है।

मैंने आपी के निपल्लों पर काट कर उनकी आँखों में देखा तो उन्होंने मेरा चेहरा पकड़ कर मुझे झटके से पीछे किया और चिड़चिड़े लहजे में बोलीं- बस अब देख लिया ना.. इसी लिए मैं तुमसे छुप रही थी।

मैंने आपी की बात सुनी और उनके दोनों हाथों को अपने हाथों में पकड़ कर उनके सिर के ऊपर लाया और दीवार से चिपका कर कहा- तो इससे क्या होता है.. मैं उसे नहीं चाटूँगा ना.. और फिर अपने होंठ आपी के होंठों से लगा दिए और उनके निचले होंठ को अपने दोनों होंठों में पकड़ कर चूसने लगा।

आपी ने मुझसे अपना आपको छुड़ाने की कोशिश करते हुए अपने सीने को झटका और मेरे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हाथ से अपना हाथ छुड़ा कर मेरे सीने पर रख कर पीछे ज़ोर दिया.. तो मैंने पीछे हटते हुए आपी के होंठ को अपने दांतों में पकड़ लिया और होंठ खिंचने की वजह से आपी दोबारा मुझसे चिपक गईं।

मैंने ज़ोरदार तरीक़े से आपी के होंठ चूसते हुए उनका हाथ नीचे ला कर अपने लंड पर रखा.. लेकिन आपी ने हाथ हटा लिया।
वो अभी भी मुझसे अलग होने की ही कोशिश कर रही थीं।

आपी ने मेरा लंड नहीं पकड़ा तो मैं खुद ही पीछे हट गया और बुरा सा मुँह बना कर कहा- क्या है यार आपी.. थोड़ा सा तो साथ दो ना ?

आपी ने बेचारगी से गिड़गिड़ा कर कहा- सगीर प्लीज़.. अभी मैं कुछ नहीं कर सकती ना.. तुम थोड़ा कंट्रोल कर लो।
यह कहते-कहते आपी की आवाज़ भर गई और उनकी आँखों में आँसू आ गए थे।

मैंने आपी की आँखों में आँसू देखे तो मैं तड़फ उठा और एकदम आपी को अपनी बाँहों में भर कर अपने सीने से लगाता हुआ बोला- नहीं आपी प्लीज़.. मेरे सामने रोया मत करो ना.. मेरा दिल दहल जाता है.. मुझे क्या पता था कि आपको ऐसे तक़लीफ़ होती है.. अब मैं कभी इन दिनों में आपको नहीं छेड़ूँगा.. मैं वादा करता हूँ आपसे.. बस रोया मत करो.. मैं इन प्यारी-प्यारी आँखों में आँसू नहीं देख सकता..

आपी कुछ देर ऐसे ही मेरे सीने में अपना चेहरा छुपाए खड़ी रहीं और मैं एक हाथ से आपी की क़मर को सहलाते दूसरे हाथ से उनके सिर को अपने सीने में दबाए रहा।

कुछ देर बाद आपी मुझसे अलग होते हुए बोलीं- अच्छा बस तुम अब नीचे जाओ.. मैं कुछ देर बाद आकर तुम्हें नाश्ता देती हूँ.. मैं ऊपर से अपनी चादर भी ले आऊँ.. मैं ये नहीं

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चाहती कि अम्मी मुझे इस हालत में तुम्हारे सामने घूमते-फिरते देखें..

‘ओके जाऊँ अब नीचे ?’ मैंने सीरीयस से अंदाज़ में आपी की आँखों में देखा.. जो रोई-रोई सी मज़ीद हसीन लगने लगीं थीं.. और बिना कुछ बोले नीचे जाने के लिए वापस घूमा ही था कि आपी ने मेरा बाज़ू कलाई से पकड़ा और मेरे सामने आकर प्यार भरे लहजे में बोलीं- अब ऐसी शकल तो नहीं बनाओ ना.. एक बार मुस्कुरा तो दो..

मैंने आपी की आँखों में देखा और मुस्कुराया तो आपी ने कहा- मेरा सोहना भाई..
उन्होंने आगे बढ़ कर अपने होंठ मेरे होंठों से लगा कर नर्मी से चूमा और मेरी आँखों में देखते हुए ही अलग हो गईं।

मैंने आपी के चेहरे को अपने दोनों हाथों में थाम कर बारी-बारी से आपी की दोनों आँखों को चूमा और उन्हें छोड़ कर नीचे चल दिया।

मैं नीचे पहुँचा तो अम्मी टीवी लाऊँज में बैठी दोपहर के खाने के लिए गोश्त काट रही थीं। मैंने उन्हें सलाम करके अनजान बनते हुए पूछा- अम्मी आपी कहाँ है.. नाश्ता वाश्ता मिलेगा क्या ?

छुरी अपने हाथ से नीचे रख कर अम्मी खड़ी होती हुए बोलीं- तुम्हारा उठने का कोई टाइम फिक्स हो तो बंदा नाश्ता बना कर रखे ना.. तुम बैठो.. मैं अभी बना कर लाती हूँ.. रूही ने आज मशीन लगाई हुई है.. कपड़े धोने में लगी है..

अम्मी किचन में नाश्ता बनाने गईं.. तो मैं उनकी जगह पर बैठ कर न्यूज़ देखते हुए गोश्त काटने लगा।

कुछ देर बाद अम्मी नाश्ते की ट्रे लेकर किचन से निकलीं और ट्रे टेबल पर रखते हुए बोलीं- ओहो.. मैं तो भूल ही गई थी.. सगीर.. तुम्हारे अब्बू का फोन आया था.. वो कह रहे थे कि

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

12 बजे तक उनके ऑफिस चले जाना। वो कह रहे थे तुम्हें साथ ले कर रहीम भाई से मिलने जाना है।
‘जी अच्छा.. अम्मी.. मैं चला जाऊँगा..’

यह कह कर मैं नाश्ता करने के लिए टेबल पर बैठा और उसी वक़्त आपी भी नीचे उतर आईं।

लेकिन अब उन्होंने अपने सिर पर और ऊपरी जिस्म के गिर्द अपनी बड़ी सी चादर लपेटी हुई थी.. जिससे उनके बदन के उभार छुप गए थे।

मुझसे नज़र मिलने पर आपी ने अम्मी से नज़र बचा कर मुझे आँख मारी और अपने सीने से चादर हटा कर एक लम्हे को मुझे अपने खूबसूरत मम्मों का दीदार करवाया और हँसते हुए बाथरूम में चली गईं।

मैं जज़्बात से सिर उठाते अपने लंड को सोते रहने का मशवरा देता हुआ सिर झुका कर नाश्ता करने लगा।

यह वाकिया जारी है।
avzooza@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Tanglish Sex Stories

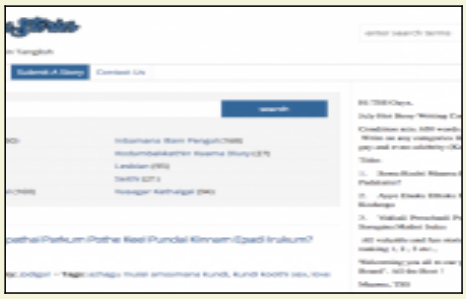

URL: www.tanglishsexstories.com **Average traffic per day:** 5 000 GA sessions **Site language:** Tanglish **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated hot erotic Tanglish stories.

Bangla Choti Kahini

URL: www.banglachotikahinii.com **Average traffic per day:** GA sessions **Site language:** Bangla, Bengali **Site type:** Story **Target country:** India Bangla choti golpo for Bangla choti lovers.

Kirtu

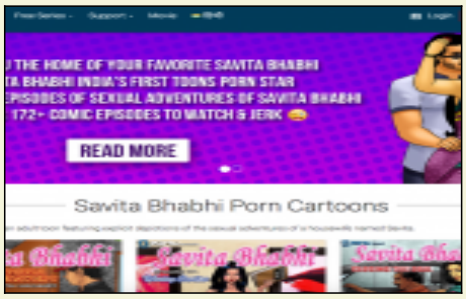

URL: www.kirtu.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

Antarvasna Sex Videos

URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Indian Gay Porn Videos

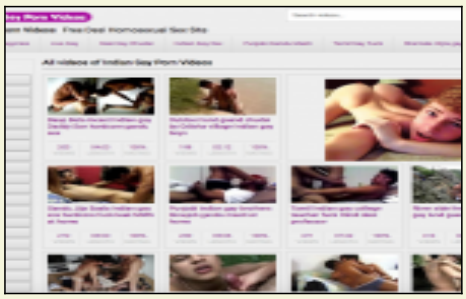

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

FSI Blog

URL: www.freesexyindians.com **Average traffic per day:** 60 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India Serving since early 2000's we are one of India's oldest and favorite porn site to browse tons of XXX Indian sex videos, photos and stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire